सदस्यता फॉर्म

ID No. -.....

यहाँ फोटो लगाएं

पावन चिन्तन धारा चैरिटेबल ट्रस्ट

(पावन चिन्तन धारा आश्रम)

कृपया सदस्ता फॉर्म भरने से पूर्व नियमावली ध्यानपूर्वक पढ़ें।

कृपया फॉर्म भरें और इसे 'पावन चिंतन धारा चैरिटेबल ट्रस्ट', देय गाजियाबाद, खाता संख्या 31720399276, के पक्ष में नकद / चेक / डीडी / NEFT के साथ भेजें, बैंक-भारतीय स्टेट बैंक, IFSC -SBIN0004326

धर्म सेवा योगदान हेतु **₹1,800**/- एक वर्ष के लिए, **₹3,500**/- दो वर्ष के लिए, **₹8,600**/-पाँच वर्ष के लिए तथा **₹51,000**/-आजीवन सदस्यता के लिए। आश्रम सम्पर्क सूत्र: 09412218956

ध्यान दें- आजीवन सदस्यता उचित विचार करने के बाद ही दी जाएगी.

कृपया अपने बारें में जानकारी स्पष्ट रूप से भरें·

आवेदक का नाम -..... व्यवसाय(कृपया पूरी जानकारी दे): .....

जन्मतिथि: ·..... विवाह की तिथि: .....

पैन नं.·..... आधार कार्ड नं.....*(कृपया दोनों की फोटो कापी भी उपलब्ध करायें)*

फ़ोन नं..... ..... ई-मेल- .....

पता:·.....

.....

जीवनसाथी का नाम: -..... व्यवसाय: .....

आपकी रुचियां:

आपके जीवन का लक्ष्य:-

घोषणा :

मैं.....पावन चिंतन धारा की 1 वर्ष/२ वर्ष/५ वर्ष/ आजीवन सदस्यता प्राप्त करना चाहता/चाहती हूँ |मैं धर्मसेवा राशी भेज रहा/रही हूँ जिसका विवरण इस प्रकार है, बैंक का नाम .....

शाखा का नाम -.....कैश/ चेक/ ड्राफ्ट/ NEFT नं. ..... दिनांक .....

मैंने पावन चिंतन धारा चैरिटेबल ट्रस्ट के लक्ष्य, उद्देश्यों, नियमों और शर्तों को पढ़ लिया है और आश्रम के सदस्य के रूप में, मैं उनका पालन करूँगा /

हस्ताक्षर

"कार्यालय प्रयोग हेतु"

सदस्य संख्या- _____

श्री / श्रीमती .....को पावन चिंतन धारा आश्रम की सदस्यता प्रदान की जाती है तथा धर्म सेवा योगदान ₹..... नकद / चेक / ड्राफ्टसंख्या ..... द्वारा ..... दिनांक और बैंक की शाखा .....प्राप्त हो चुकी है|

समन्वयक प्रकाशन समन्वयक परिवार लेखपाल

-पावन चिंतन धारा आश्रम सदस्यता के नियम -

१. आश्रम सदस्य का अर्थ वह व्यक्ति जिसने सदस्यता फॉर्म भरा है, उसका जीवन साथी, उसके माता-पिता तथा उसके बच्चे| उसव्यक्ति के अन्य किसी रिश्तेदार को सदस्यता प्राप्त नहीं होगी| केवल ये लोग ही आश्रम के विशेष कार्यक्रमों/ छूट/ रुकने की सुविधा प्राप्त कर सकेंगे|

2. आश्रम सदस्य केवल वो ही व्यक्ति बने जिसे 'पावन चिंतन धारा' के उद्देश्यों तथा कार्य प्रणाली में विश्वास हो

3. जो सदस्य भी आश्रम आएंगे, वे यज्ञ, पूजा, अन्य कार्य में अनिवार्य रूप से सम्मिलित होंगे |

4. आश्रम सदस्य केवल वे ही लोग बनें जिनकी ज्ञान, साधना, तथा सेवा में गहन रूचि हो तथा वो इसे अपने जीवन में भी उतारें | वो जन आश्रम सदस्यता के लिए आवेदन न करें जो केवल भविष्य जानने में उत्सुक हों या आश्रम को केवल ठहरने का स्थान मात्र समझें |

5. आश्रम सदस्य को आश्रम क्रिया कलापों में उपस्थित होना होगा तथा वर्ष में कम से कम एक बार आश्रम में रहकर साधना करनी होगी |

6. यदि किसी भी सदस्य को अनैतिक कार्य/भोजन आदि में लिप्त पाया गया या आश्रम नियमों के विरुद्ध कार्य करते पाया गया तो तत्काल प्रभाव से उसकी सदस्यता समाप्त कर दी जाएगी तथा उसका धन वापस करने का आश्रम का कोई दायित्व नहीं होगा |

7. जो आश्रम के सदस्य बनना चाहें वे निम्न शपथ को ध्यान से पढ़ें | यदि वे इस शपथ का मान रख सकें तब ही आश्रम सदस्य बनें |

https://paavanchintandhara.com

“शपथ”

*मैं अपने ईष्ट को साक्षी मान कर ये शपथ लेता / लेती हूँ कि मैं सेवा, साधना तथा भक्ति मार्ग पर चलूँगा / चलूंगी |

*मैं विकारों तथा बुरी लतों से मुक्त होऊंगा / होऊंगी |

*मैं धर्म व भारतीय संस्कृति की हर संभव सेवा करूँगा / करुँगी |

*मैं राष्ट्र सेवा रूपी यज्ञ में आहुति दूंगा / दूंगी |

*मैं अध्यात्म, ज्ञानार्जन, चिंतन, सत्संग तथा सामाजिक कार्यों के लिए प्रतिबद्ध रहूँगा / रहूंगी |

*मैं जातिवाद, लिंग भेद तथा अमीरी-गरीबी के आधार पर भेद भाव नहीं करूँगा / करुँगी |

*मैं किसी भी प्रकार के असामाजिक कार्यों में किसी भी तरह से संलग्न नहीं रहूँगा / रहूंगी |

हस्ताक्षर